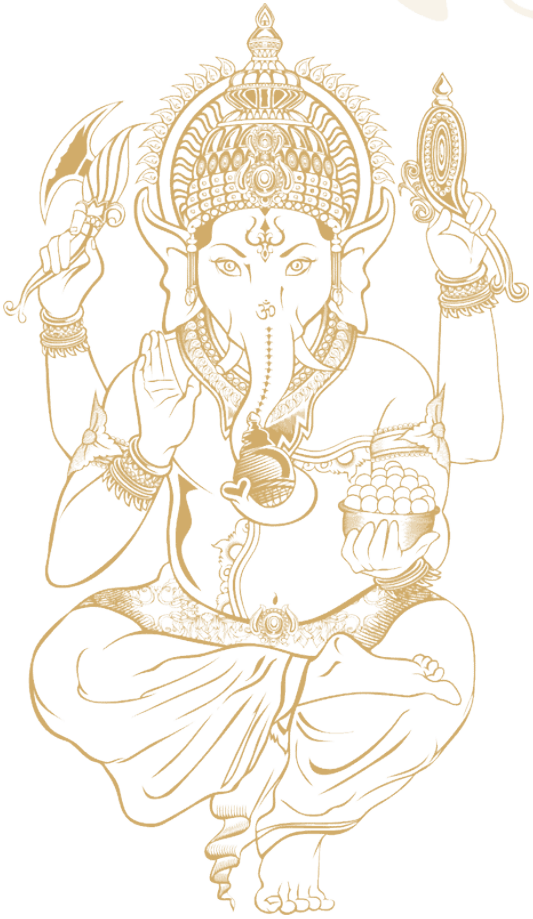

Ashutosh Shukla

09 Mar 2000

09:15 AM

Kanpur

Model: Varshphal-2017

Order No: 121605501

तिथि 09/03/2000 **समय** 09:15:00 **वार** गुरुवार **स्थान** Kanpur **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:51:20
अक्षांश 26:27:00 उत्तर **रेखांश** 80:19:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:08:44 घंटे

पंचांग

साम्पातिक काल	20:14:51 घं
वेलान्तर	00:10:30 घं
सूर्योदय	06:24:36 घं
सूर्यास्त	18:14:15 घं
चैत्रादि संवत	2056
शक संवत	1921
मास	फाल्गुन
पक्ष	शुक्ल
तिथि	4
नक्षत्र	अश्विनी
योग	ब्रह्म
करण	वणिज

अवकहड़ा चक्र

गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चू-चूड़ामणि
पाया(रा.-न.)	स्वर्ण-स्वर्ण
होरा	सूर्य
चौघड़िया	रोग

विंशोत्तरी

केतु 6वर्ष 3मा 3दि

शुक्र

12/06/2006
12/06/2026

शुक्र	11/10/2009
सूर्य	12/10/2010
चन्द्र	11/06/2012
मंगल	11/08/2013
राहु	11/08/2016
गुरु	12/04/2019
शनि	12/06/2022
बुध	12/04/2025
केतु	12/06/2026

योगिनी

भ्रामरी 3वर्ष 6मा 27दि

संकटा

06/10/2021
06/10/2029

संकटा	17/07/2023
मंगला	06/10/2023
पिंगला	16/03/2024
धान्या	15/11/2024
भ्रामरी	06/10/2025
भद्रिका	15/11/2026
उल्का	16/03/2028
सिद्धा	06/10/2029

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			20:36:49	मेष	भरणी	3	शुक्र	गुरु	---	0:00			
सूर्य			25:01:28	कुंभ	पू०भाद्रपद	2	गुरु	बुध	शत्रु राशि	1.59	अमात्य	पितृ	वध
चंद्र			01:24:45	मेष	अश्विनी	1	केतु	शुक्र	सम राशि	1.19	ज्ञाति	मातृ	जन्म
मंगल			25:50:56	मीन	रेवती	3	बुध	राहु	मित्र राशि	1.44	आत्मा	भ्रातृ	अतिमित्र
बुध	व		10:39:36	कुंभ	शतभिषा	2	राहु	शनि	सम राशि	1.26	मातृ	ज्ञाति	साधक
गुरु			10:24:56	मेष	अश्विनी	4	केतु	शनि	मित्र राशि	1.51	पुत्र	धन	जन्म
शुक्र			00:47:51	कुंभ	धनिष्ठा	3	मंगल	बुध	मित्र राशि	1.00	कलत्र	कलत्र	प्रत्यारि
शनि			19:15:50	मेष	भरणी	2	शुक्र	राहु	नीच राशि	0.89	भ्रातृ	आयु	सम्पत
राहु	व		08:50:22	कर्क	पुष्य	2	शनि	शुक्र	शत्रु राशि		---	ज्ञान	मित्र
केतु	व		08:50:22	मक	उत्तराषाढ़ा	4	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि		---	मोक्ष	विपत

लग्न-चलित

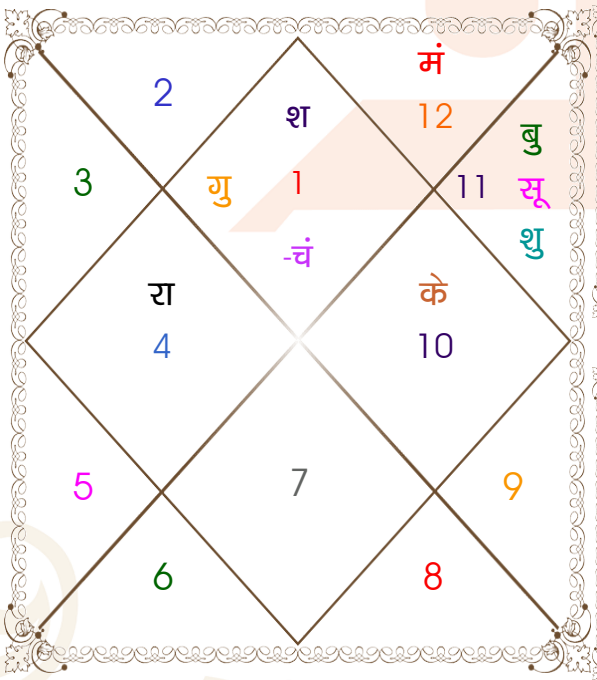

चन्द्र कुंडली

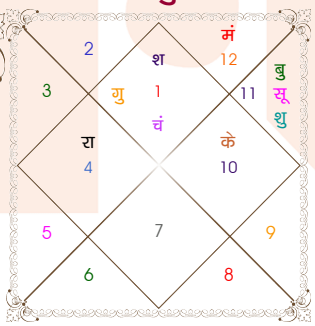

नवमांश कुंडली

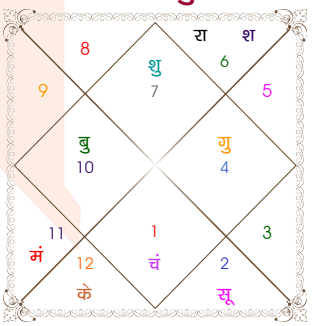

सर्वाष्टकवर्ग

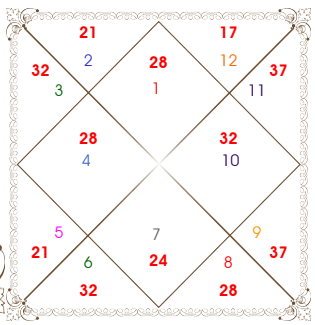

दशमांश कुंडली

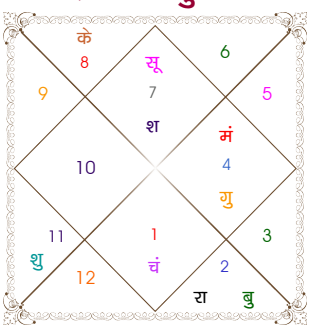

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में कफ आदि रोगों से आप समय समय पर कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति अच्छी नहीं रहेगी तथा मन में तनाव एवं व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। इस समय शरीर में दुर्बलता भी रहेगी तथा स्वभाव में कोध भी अधिक रहेगा फलतः यदा कदा अनावश्यक परेशानियां उत्पन्न होंगी। परिवार की सुख शान्ति तथा समृद्धि इस वर्ष में अच्छी नहीं रहेगी तथा पुत्र एवं स्त्री से संबंधों में तनाव तथा परस्पर कलह का भाव रहेगा जिससे दाम्पत्य सुख में न्यूनता रहेगी। धर्म के प्रति भी इस समय आपकी श्रद्धा कम ही रहेगी तथा धार्मिक प्रवृतियों की आप उपेक्षा करेंगे। साथ ही सुख संसाधनों में भी अल्पता रहेगी तथा सुख भी अल्प मात्रा में प्राप्त होगा। इस समय समाज में लोकोपवाद से आपकी मान हानि की संभावना रहेगी फलतः मानसिक व्याकुलता की आपको अनुभूति होगी।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा व्यापारिक उन्नति तथा सफलता में व्यवधान उत्पन्न होंगे साथ ही हानि की भी संभावना रहेगी। नौकरी या राजनीति में इस समय आपकी उन्नति में विलम्ब होगा तथा इसमें रूकावटें भी आएंगी। शत्रु पक्ष से इस समय आप चिन्तित भयभीत तथा पराजित रहेंगे तथा समाज में अन्य जनों से आपका कलह भी होता रहेगा जिससे समाजिक मान सम्मान तथा यश में कमी आएगी। इस समय बन्धुवर्ग से भी आपको तिरस्कृत होना पड़ेगा तथा वे आपको कोई भी सहयोग प्रदान नहीं करेंगे । इसके अतिरिक्त आर्थिक रूप से भी आप परेशान रहेंगे तथा धनाभाव से कष्ट प्राप्त होगा। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए प्रतिकूल रहेगा। अतः शान्ति पूर्वक अपना समय व्यतीत करें।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा समय समय पर आपको स्वास्थ्य संबंधी परेशानी रहेगी जिससे शरीर में दुर्बलता की अनुभूति होगी। मानसिक रूप से भी इस समय आप उद्विग्न तथा अशान्त रहेंगे तथा मन में व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। इस वर्ष में आपके रूके हुए कार्यों तथा मानसिक संकल्पों में अल्प मात्रा में ही सफलता प्राप्त होगी। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि भी इस समय मध्यम रहेगी तथा परस्पर तनाव तथा मतभेद का वातावरण विद्यमान रहेगा। स्त्री से भी आपके विशेष मधुर संबंध नहीं रहेंगे तथा आपसी मतभेद उत्पन्न होंगे फलतः दाम्पत्य संबंधों में तनाव रहेगा। इस वर्ष यात्रा यत्न पूर्वक उपेक्षा करें अन्यथा लाभ की अपेक्षा हानि ही अधिक होगी साथ ही यात्रा के मध्य कोई कष्ट भी हो सकता है। भौतिक सुख संसाधनों में भी इस समय अल्पता रहेगी तथा मित्र एवं संबंधियों से भी परस्पर तनावपूर्ण संबंध रहेंगे तथा जिससे आपको कोई विशेष सहयोग प्रदान नहीं करेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति की दृष्टि से भी वर्ष मध्यम रहेगा तथा इसमें समय समय पर अनावश्यक समस्याएं रहेगी तथा लाभ मार्गो में भी बाधाएं आएंगी। अतः ऐसे समय में किसी नवीन कार्य को प्रारंभ नहीं करना चाहिए। नौकरी या राजनीति में भी आप की पदोन्नति में विलम्ब होगा तथा अधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेता आपसे प्रसन्न नहीं रहेंगे अतः इस समय इनकी उपेक्षा न करें। आर्थिक स्थिति भी इस समय मध्यम रहेगी तथा यदा कदा इसमें परेशानी उत्पन्न होगी। साथ ही समाजिक मान प्रतिष्ठा भी मध्यम रहेगी। अतः समय की प्रतिकूलता को मध्य नजर रखते हुए बुद्धिमता एवं धैर्य पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करते रहेंगे। इस समय आपकी मानसिक स्थिति भी विशेष अच्छी नहीं रहेगी तथा अशान्ति एवं असन्तुष्टि का भाव मन में विद्यमान रहेगा। स्त्री एवं बन्धुवर्ग से आपको विशेष सुख एवं सहयोग अल्प ही मिलेगा तथा इनसे समय समय पर आपको अनावश्यक समस्याएं तथा परेशानियां उत्पन्न होंगी। शत्रु पक्ष से भी आप इस समय चिन्तित रहेंगे तथा आपके लिए वे उन्नति के मार्ग में व्यवधान उत्पन्न करते रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों की आप उपेक्षा करेंगे। साथ ही लोभ एवं मोह में आपकी अधिक आसक्ति रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा उन्नति के मार्ग में व्यवधान होंगे अतः नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में वरिष्ठ सहयोगी अथवा उच्चाधिकारी वर्ग से सावधान रहें एवं उनकी आज्ञा का पालन करें ।साथ ही व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें एवं किसी नए कार्य पर व्यय न करें तथा प्रारंभ भी न करें अन्यथा असफलता ही अधिक मिलेगी। मित्र वर्ग से भी इस समय आप को विशेष सहयोग नहीं मिलेगा तथा वे भी ऐसे समय में शत्रु की तरह की तरह व्यवहार करेंगे ।मानसिक रूप से भी आप में दुर्बलता रहेगी तथा किसी प्रकार के बन्धन का भी भय लगा रहेगा ।अतः ऐसे समय में आपको अत्यंत ही संयम एवं सावधानी पूर्वक अपना समय व्यतीत करना चाहिए।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थतियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक कष्ट से परेशानी की अनुभूति करेंगे साथ ही मानसिक रूप से भी आप प्रायः अशान्त तथा उद्विग्न से रहेंगे। उत्साह के भाव की आप में इस समय अल्पता रहेगी अतः सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो की सिद्धि में अनावश्यक विलम्ब होगा। बन्धु एवं मित्र वर्ग से इस वर्ष आपके संबध सामान्य ही रहेंगे तथा उनसे सुख, सहयोग एवं लाभ मध्यम रूप में ही प्राप्त होगा तथा यदा कदा तनाव पूर्ण संबध भी बनें रहेंगे इस समय आपके रूके हुए कार्य तथा मानसिक संकल्प अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे जिससे आप परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही इस वर्ष में जो भी कार्य प्रारंभ करेंगे उनमें आपको व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा। इसके साथ ही संतति पक्ष से आपको सुख एवं सहयोग मध्यम ही रहेगा परन्तु अपने कार्य क्षेत्र में वे उन्नतिशील रहेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति की दृष्टि से वर्ष सामान्य रहेगा तथा परिश्रम एवं संघर्ष से ही वांछित सफलता प्राप्त होगी। व्यापार में इस समय पुराने कार्य पर ही परिश्रम करें तथा नवीन कार्य प्रारंभ करने की उपेक्षा करें। नौकरी या राजनीति में इस समय आपके पदोन्नति की संभावनाएं बनेगी परन्तु इसमें अनावश्यक विलम्ब तथा रूकावटें उत्पन्न होंगी । इस समय राजनैतिक महत्व के लोगों तथा उच्चाधिकारी वर्ग से संबध सामान्य ही रहेंगे तथा उनसे कोई विशेष सहयोग नहीं मिलेगा। आर्थिक स्थिति भी इस समय मध्यम रहेगी। अतः धैर्य पूर्वक अपने सांसारिक कार्यकलापों को सम्पन्न करें तथा समय बीतने की प्रतीक्षा करें।

प्रथम मास

10/03/2026 01:25:09 से 09/04/2026 07:51:16 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	मूल	00:28:49
सूर्य		कुम्भ	पू०भाद्रपद	25:01:28
चन्द्र		वृश्चिक	अनुराधा	07:55:02
मंगल		कुम्भ	शतभिषा	11:28:34
बुध	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	20:15:57
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	20:51:56
शुक्र		मीन	उ०भाद्रपद	09:58:51
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	08:34:03
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:40:31
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:40:31
मुंथा		मिथुन	पुनर्वसु	20:36:49

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

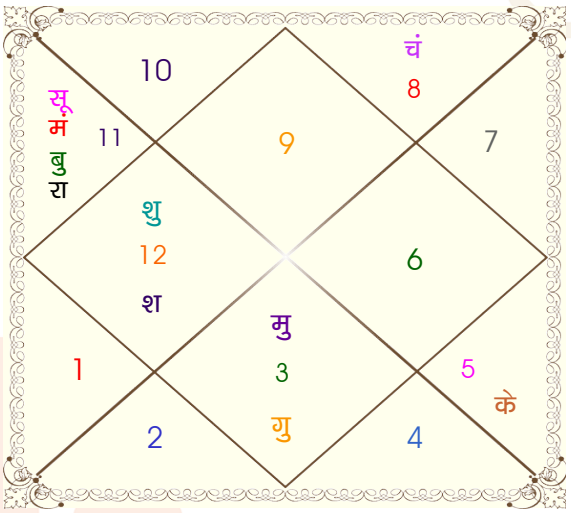

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय स्त्री पक्ष तथा बन्धु जनों से आप कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रु की तरफ से भी चिन्ता बनी रहेगी। आप में इस समय उत्साह की न्यूनता भी परिलक्षित होगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। आप शरीर से भी अस्वस्थता की अनुभूति करेंगे तथा मन में लालच के भाव की भी प्रधानता होगी। साथ ही आप अपने शरीर का पूर्ण ध्यान नहीं रखेंगे। अपने बन्धुजनों से आपके सम्बन्धों में तनाव भी उत्पन्न होगा एवं मित्र भी शत्रुओं के समान व्यवहार करेंगे जिससे मानसिक तनाव बना रहेगा। इसके अतिरिक्त अन्य जनों से भी संघर्ष होने का भय बना रहेगा।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी समय समय पर घटित होंगे।अतः आप स्त्री से सुख प्राप्त करेंगे एवं बुद्धिमत्ता से अपने अधिकांश कार्यों को सम्पन्न करेंगे। साथ ही धर्मानुपालन में भी आप रूचिशील रहेंगे। अतः आपका यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

द्वितीय मास

09/04/2026 07:51:16 से 10/05/2026 02:44:12 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	कृतिका	01:00:29
सूर्य		मीन	रेवती	25:01:28
चन्द्र		धनु	मूल	12:51:39
मंगल		मीन	उ०भाद्रपद	05:12:53
बुध		कुम्भ	पू०भाद्रपद	27:52:03
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	22:10:31
शुक्र		मेष	भरणी	17:21:58
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	12:19:27
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	13:51:06
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	13:51:06
मुंथा		मिथुन	पुनर्वसु	23:06:49

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

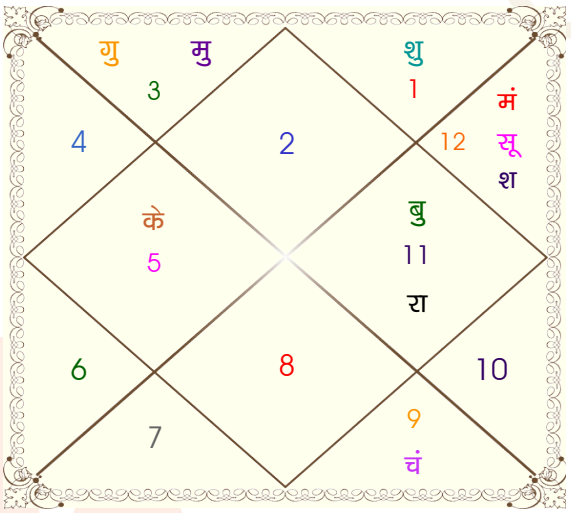

इस मास को सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे।साथ ही आप अपने उत्साह एवं परिश्रम से धनार्जन करेंगे तथा अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करेंगे। समाज में आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा बन्धुओं एवं मित्र वर्ग से आप आदर तथा सम्मान प्राप्त करेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप आश्रय प्राप्त करेंगे तथा उनसे उचित सहयोग तथा सहायता भी अर्जित करेंगे। इस मास में आप मिष्ठान्न का भी अधिक मात्रा में उपयोग करेंगे। साथ ही शारीरिक स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा एवं शारीरिक बल में भी वृद्धि होगी। इस समय शत्रु वर्ग भी आपसे भयभीत एवं चिन्तित रहेगा। इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यों के द्वारा भी धनार्जन होगा। इस प्रकार आप सम्पूर्ण मास को सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे।

साथ ही आप स्त्री का पूर्ण सुख भी प्राप्त करेंगे एवं अन्य महिला सहयोगियों से भी उचित सहयोग तथा सहायता मिलती रहेगी। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता का भाव उत्पन्न होगा एवं प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में भी सफल रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा समाजिक जनों से भी पूर्ण यश अर्जित करेंगे।

तृतीय मास
10/05/2026 02:44:12 से 10/06/2026 07:58:28 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	पू०भाद्रपद	01:00:05
सूर्य		मेष	भरणी	25:01:28
चन्द्र		मकर	धनिष्ठा	25:03:24
मंगल		मीन	रेवती	28:55:38
बुध		मेष	भरणी	19:26:35
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	26:00:08
शुक्र		वृष	मृगशिरा	24:47:09
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	15:53:38
राहु		कुम्भ	शतभिषा	11:37:02
केतु		सिंह	मघा	11:37:02
मुंथा		मिथुन	पुनर्वसु	25:36:49

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

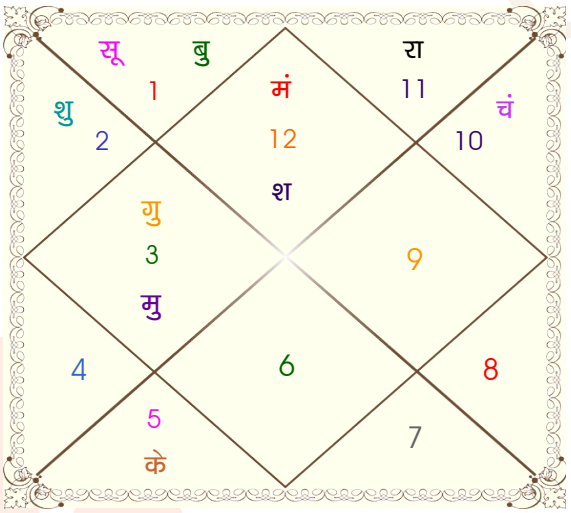

यह मास आपके लिए विशेष शुभ फलदायक नहीं रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शत्रु बलवान रहेंगे जिसके कारण आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। साथ ही पारिवारिक जनों से सम्बन्धों में भी तनाव का वातावरण रहेगा जिससे परिवार में अशान्ति रहेगी। अतः मानसिक रूप से आप चिन्तित रहेंगे। इस समय आपके व्यापार या अजीविका संबधी कार्यों में मंदी आएगी या आपका कोई कार्य छूट भी सकता है। इसके अतिरिक्त अन्य समाजिक जनों से आपका विवाद भी हो सकता है। जिससे आपकी सामाजिक मान प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त धन हानि का योग भी बनता है एवं शरीर में कोई रोग भी हो सकता है।

साथ ही इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त करेंगे। अतः स्त्री का आपको पूर्ण सुख मिलेगा तथा आपकी बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि होगी तथा बुद्धि बल से लाभार्जन करने में आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा का भाव उत्पन्न होगा तथा आप किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन करने के लिए उत्सुक होंगे।

चतुर्थ मास
10/06/2026 07:58:28 से 11/07/2026 18:30:10 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुनर्वसु	00:48:37
सूर्य		वृष	मृगशिरा	25:01:28
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	15:52:37
मंगल		मेष	भरणी	22:14:26
बुध		मिथुन	आर्द्रा	18:34:37
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	01:36:12
शुक्र		कर्क	पुनर्वसु	01:51:58
शनि		मीन	रेवती	18:44:05
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	08:40:07
केतु	व	सिंह	मघा	08:40:07
मुंथा		मिथुन	पुनर्वसु	28:06:49

मासाधिपति : मंगल

मासाधिपति

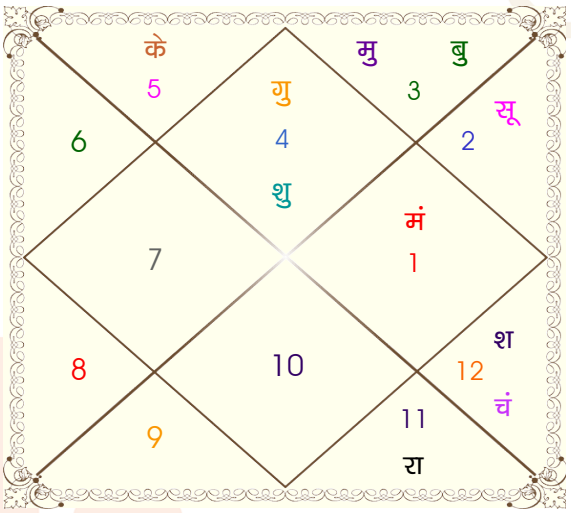

यह मास आपका मध्यम रूप से व्यतीत होगा तथा आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगे। इस समय आपका व्ययाधिक्य रहेगा तथा दुष्ट मनुष्यों की संगति भी करेंगे फलतः समाज में आपके सम्मान में न्यूनता आएगी। इस समय आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ रहेंगे एवं मन में अशान्ति का भाव भी विद्यमान रहेगा। अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करने के लिए आपको अत्यधिक परिश्रम एवं पराक्रम प्रदर्शित करना पड़ेगा फिर भी सफलता अल्प मात्रा में ही मिलेगी। धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा की अपेक्षा उपेक्षा का भाव ही अधिक रहेगा साथ ही मित्रों एवं सम्बधियों के साथ परस्पर संबन्धों में तनाव रहेगा आपके कार्यक्षेत्र में भी इस समय व्यवधान उत्पन्न होगा एवं शत्रुपक्ष से भी चिन्ता तथा भय नित्य बना रहेगा। इसके अतिरिक्त मानसिक रूप से भी आप उद्विग्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी अर्जित करेंगे। इससे आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे तथा आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की भी वृद्धि होगी तथा अन्य प्रकार से भी आप सुखानुभूति प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन करेंगे।

पंचम् मास
11/07/2026 18:30:10 से 12/08/2026 03:41:10 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	पूर्वाषाढ़ा	17:25:17
सूर्य		मिथुन	पुनर्वसु	25:01:28
चन्द्र		वृष	रोहिणी	14:36:39
मंगल		वृष	रोहिणी	14:46:00
बुध	व	मिथुन	पुनर्वसु	27:27:02
गुरु		कर्क	पुष्य	08:12:56
शुक्र		सिंह	मघा	07:47:30
शनि		मीन	रेवती	20:19:16
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	06:19:43
केतु	व	सिंह	मघा	06:19:43
मुंथा		कर्क	पुनर्वसु	00:36:49

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

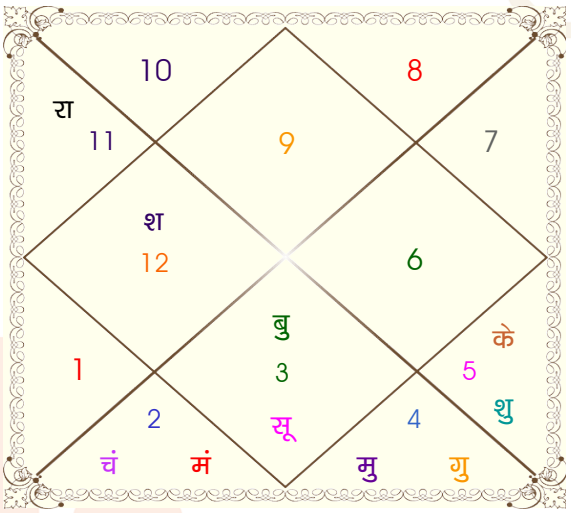

यह मास आपके लिए मध्यम रहेगा तथा शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को आप प्राप्त करेंगे। इस समय शत्रु पक्ष प्रबल होने से आप उनसे चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे साथ ही घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी। इस मास में धन का व्यय अधिक मात्रा में होगा फलतः आर्थिक रूप से भी आप परेशानी की अनुभूति करेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा। इस समय आप शारीरिक रूप से भी अस्वस्थ रहेंगे एवं अन्य कई प्रकार से शारीरिक एवं मानसिक कष्टों को प्राप्त करेंगे। अतः शारीरिक बल की भी आप में न्यूनता रहेगी। इस मास में आप दूर या समीप की यात्रा भी कर सकते है। आपके सांसारिक कार्यो में कई प्रकार से विध्न बाधाएं आएंगी अतः इन्हें समय पर पूर्ण करने में आप असमर्थ रहेंगे। साथ ही मुकद्दमें आदि कार्य में भी आपके धन का अपव्यय हो सकता है। अतः सोच समझकर बुद्धिमता से अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

परन्तु इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फलों को भी प्राप्त करेंगे।अतः आप स्त्री एवं पुत्र से सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे तथा इस समय आप नवीन वस्त्र या अन्य द्रव्यों को भी अर्जित कर सकेंगे जिससे आपको मानसिक प्रसन्नता प्राप्त होगी।

षष्ठ मास

12/08/2026 03:41:10 से 12/09/2026 05:18:07 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	पुनर्वसु	28:43:53
सूर्य		कर्क	आश्लेषा	25:01:28
चन्द्र		कर्क	पुष्य	14:02:47
मंगल		मिथुन	मृगशिरा	06:08:46
बुध		कर्क	पुष्य	09:27:51
गुरु		कर्क	पुष्य	15:08:30
शुक्र		कन्या	हस्त	10:52:10
शनि	व	मीन	रेवती	20:17:56
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:33:53
केतु	व	सिंह	मघा	05:33:53
मुंथा		कर्क	पुनर्वसु	03:06:49

मासाधिपति : चन्द्र

मासाधिपति

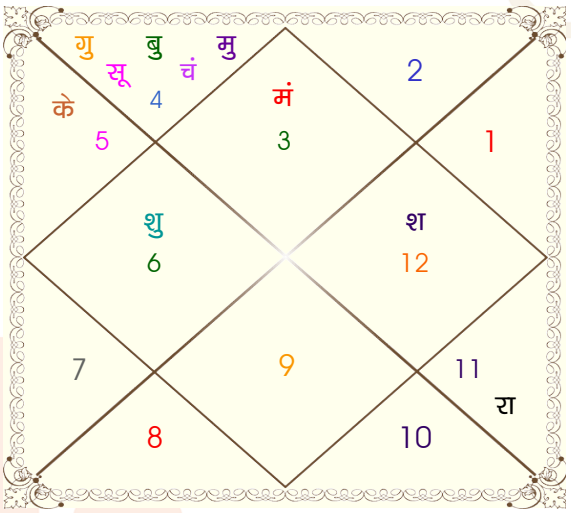

इस मास में आप अपने पराक्रम एवं उत्साह से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे। साथ ही समाज से भी आप उचित मान सम्मान प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके यश में वृद्धि होगी तथा बन्धु एवं मित्रों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा उनसे पूर्ण सहयोग तथा सुख भी प्राप्त होगा। उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे एवं अपने कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में सफल रहेंगे। इस मास में आप मिष्ठान अधिक मात्रा में भक्षण करेंगे।साथ ही आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा फलतः शारीरिक बल में वृद्धि होगी। इस समय आपके शत्रु क्षीण रहेंगे अतः उनका दमन करने में आप को सफलता प्राप्त होगी। स्त्री से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इसके साथ ही व्यापार आदि कार्यो से भी आप अतिरिक्त आय अर्जित होगी जिससे आर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी।

साथ ही इस मास में आप महिला सहयोगियों से भी लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी अतः आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से सम्पन्न होंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा इस मास में किसी धार्मिक उत्सव या कार्यक्रम का भी आयोजन कर सकेंगे। इस प्रकार यह मास आपके लिए उत्तम फलदायक रहेगा।

सप्तम् मास
12/09/2026 05:18:07 से 12/10/2026 19:21:26 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	पू०फाल्गुनी	16:25:24
सूर्य		सिंह	पू०फाल्गुनी	25:01:28
चन्द्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	05:44:12
मंगल		मिथुन	पुनर्वसु	26:02:32
बुध		कन्या	उ०फाल्गुनी	07:58:08
गुरु		कर्क	आश्लेषा	21:43:51
शुक्र		तुला	स्वाति	06:49:38
शनि	व	मीन	रेवती	18:45:40
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:33:05
केतु	व	सिंह	मघा	05:33:05
मुंथा		कर्क	पुष्य	05:36:49

मासाधिपति : मंगल

मासाधिपति

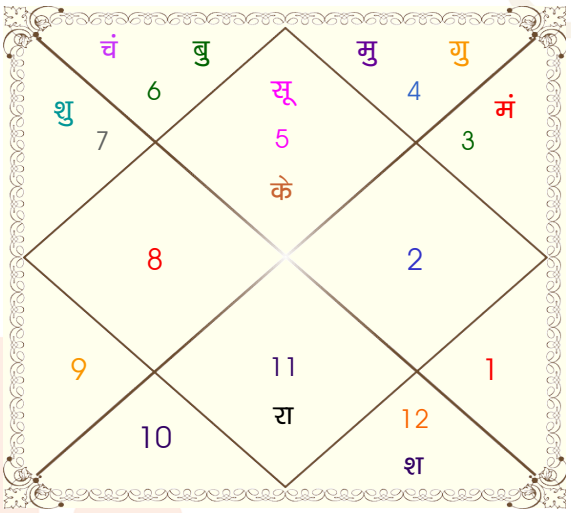

यह मास आपके लिये मध्यम रहेगा तथा शुभाशुभ दोनों प्रकार के फल आप प्राप्त करेंगे। इस समय आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा आप दुर्जनों की संगति में सम्मिलित होंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी इस समय विशेष अच्छा नहीं रहेगा। साथ ही अत्यन्त परिश्रम एवं पराक्रम से ही आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को अल्प मात्रा में सिद्ध करने में सफलता प्राप्त कर सकेंगे। धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा की अपेक्षा उपेक्षा का ही भाव अधिक रहेगा। साथ ही अन्य प्रकार से भी धन हानि या व्यय के योग बनेंगे। इस मास में मित्रों तथा संबधियों से आपके सम्बन्ध मधुर नहीं रहेंगे तथा आपस में मन मुटाव तथा तनाव का वातावरण विद्यमान रहेगा। नौकरी या व्यापार आदि में भी इस समय अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न होंगी एवं शत्रुपक्ष से भी भय एवं चिन्ता का भाव रहेगा। जिस कार्य को भी आप इस मास में सम्पन्न सम्पन्न करना चाहेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही प्राप्त होगी।अतः इससे आप मानसिक रूप से अशान्त तथा अप्रसन्न रहेंगे।

परंतु अशुभ फलों के साथ साथ यदाकदा आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे।अतः आप स्त्री से सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा बुद्धि भी निर्मल रहेगी तथा बुद्धिमता से आपके कार्य सम्पन्न होंगे तथा अन्य प्रकार से भी सुखी रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति अपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा इस मास में किसी धार्मिक कार्य क्रम को भी आप सम्पन्न कर सकते हैं।

अष्टम् मास
12/10/2026 19:21:26 से 11/11/2026 21:05:43 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	कृतिका	26:50:44
सूर्य		कन्या	चित्रा	25:01:28
चन्द्र		तुला	स्वाति	17:38:41
मंगल		कर्क	पुष्य	14:03:38
बुध		तुला	विशाखा	20:01:35
गुरु		कर्क	आश्लेषा	27:19:48
शुक्र	व	तुला	स्वाति	12:33:50
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	16:26:17
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	04:22:14
केतु	व	सिंह	मघा	04:22:14
मुंथा		कर्क	पुष्य	08:06:49

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

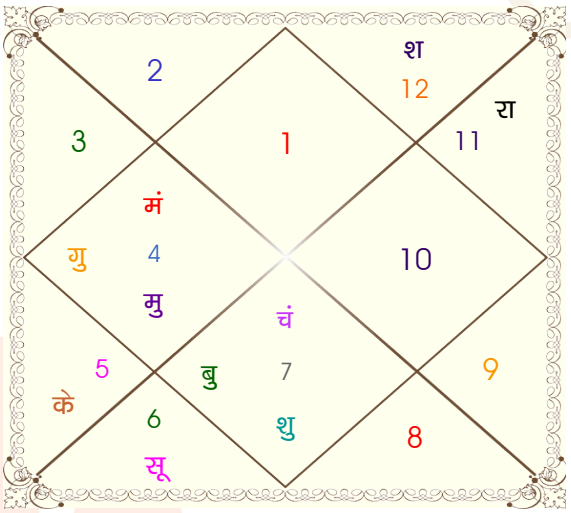

इस मास में आप सामान्यतया अशुभ फल ही प्राप्त करेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आप शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। इस समय आपके शत्रु प्रबल रहेंगे तथा उनसे आप भयभीत तथा चिंतित रहेंगे। जिससे मानसिक रूप से आप उद्विग्नता तथा अशान्ति की अनुभूति करेंगे। इस समय आपके व्यापार या आजीविका संबधी कार्य में मन्दी आएगी तथा कई अनावश्यक विध्नबाधाएं भी उत्पन्न होंगी। साथ ही आपका कोई कार्य बंद हो सकता है या उसमें किसी प्रकार का परिर्वतन होने की संभावना बनेगी। समाज में अन्य लोगों से इस मास में आपका अनावश्यक विवाद या संघर्ष होगा जिससे सामाजिक सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त धन हानि का भी योग बनता है तथा शारीरिक कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

साथ ही इस मास में आप वातजनित रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे तथा किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी किसी प्रकार की क्षति या हानि हो सकती है। अतः सावधानी एवं सतर्कतापूर्वक अपने सांसारिक कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

नवम् मास
11/11/2026 21:05:43 से 11/12/2026 12:59:48 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	पुनर्वसु	21:23:12
सूर्य		तुला	विशाखा	25:01:28
चन्द्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	21:24:49
मंगल		कर्क	आश्लेषा	29:33:09
बुध	व	तुला	स्वाति	11:11:09
गुरु		सिंह	मघा	01:14:42
शुक्र	व	कन्या	चित्रा	28:44:34
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	14:27:00
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	01:25:03
केतु	व	सिंह	मघा	01:25:03
मुंथा		कर्क	पुष्य	10:36:49

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

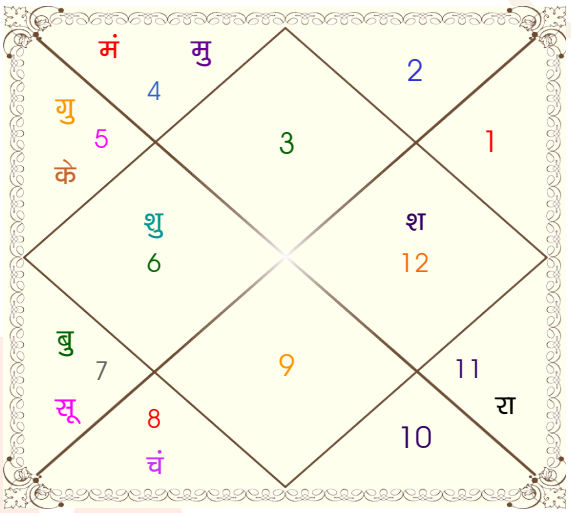

इस मास में आप अपने पराकम एवं उत्साह से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे। साथ ही परिवार एवं सामाजिक जनों से आपको यथोचित मान सम्मान तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इस समय आपके यश में भी अभिवृद्धि होगी तथा बन्धु एवं मित्रों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा उनसे आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग से आपको आश्रय प्राप्त होगा तथा इसी परिपेक्ष्य में आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में सफल हो सकेंगे। इस मास में आप मिष्ठान्न के प्रति भी अधिक रूचिशीलता का प्रदर्शन करेंगे।साथ ही आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं शारीरिक बल में पूर्ण वृद्धि होगी। शत्रुवर्ग इस मास में आपका निर्बल रहेगा फलतः वे आपसे पराजित रहेंगे। स्त्री से भी आप सुख की प्राप्ति करेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापारादि कार्यो से भी आप अतिरिक्त आय अर्जित करने में सफल रहेंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ अशुभ फल भी घटित होंगे।अतः आप वातजन्य रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही इस समय आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी सामाजिक अवहेलना होगी तथा बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी आप न्यूनाधिक हानि प्राप्त कर सकते है। अतः यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त होकर मध्यम रहेगा।

दशम् मास
11/12/2026 12:59:48 से 09/01/2027 23:59:22 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	उ०भाद्रपद	09:39:14
सूर्य		वृश्चिक	ज्येष्ठा	25:01:28
चन्द्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	19:44:55
मंगल		सिंह	मघा	11:11:14
बुध		वृश्चिक	अनुराधा	13:19:00
गुरु		सिंह	मघा	02:47:01
शुक्र		तुला	स्वाति	10:40:34
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	13:41:42
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	28:09:47
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	28:09:47
मुंथा		कर्क	पुष्य	13:06:49

मासाधिपति : चन्द्र

मासाधिपति

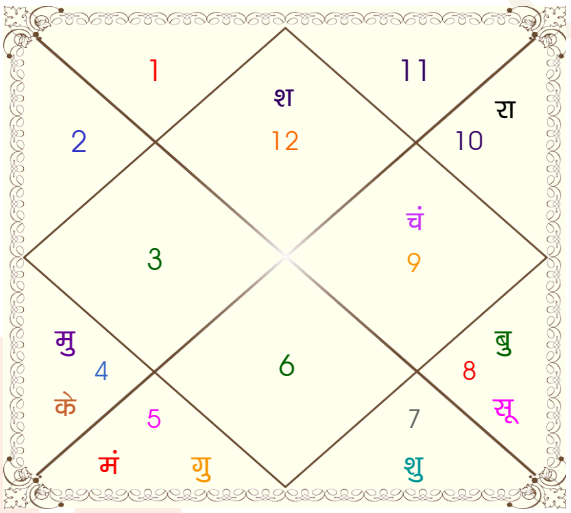

यह मास आपके लिए अत्यन्त शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से सम्पन्न होंगे। इस मास में आप कई प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करेंगे एवं पुत्र संतति से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि रहेगी तथा ज्ञान प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। आपके प्रभुत्व में इस मास में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को स्वीकार करेंगे तथा आपका हार्दिक सम्मान भी करेंगे। इस समय आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न होंगे एवं कहीं से कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा जिससे आपको प्रसन्नता होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा नियमपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इसके अतिरिक्त सरकार एवं उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप वांछित लाभ अर्जित करेंगे तथा समाज में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री का पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे तथा अपने बुद्धिचातुर्य से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में सफल रहेंगे। इस प्रकार यह समय आपके लिए अत्यन्त ही महत्वपूर्ण तथा सुख प्रदान करने वाला होगा जिससे आप मानसिक रूप से पूर्ण शान्त तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

एकादश मास

09/01/2027 23:59:22 से 08/02/2027 12:10:39 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	हस्त	20:43:51
सूर्य		धनु	पूर्वाषाढ़ा	25:01:28
चन्द्र		मकर	श्रवण	15:47:39
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	16:11:15
बुध		धनु	उत्तराषाढ़ा	29:57:24
गुरु	व	सिंह	मघा	01:33:34
शुक्र		वृश्चिक	अनुराधा	08:16:47
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	14:29:29
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	26:27:09
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	26:27:09
मुंथा		कर्क	पुष्य	15:36:49

मासाधिपति : चन्द्र

मासाधिपति

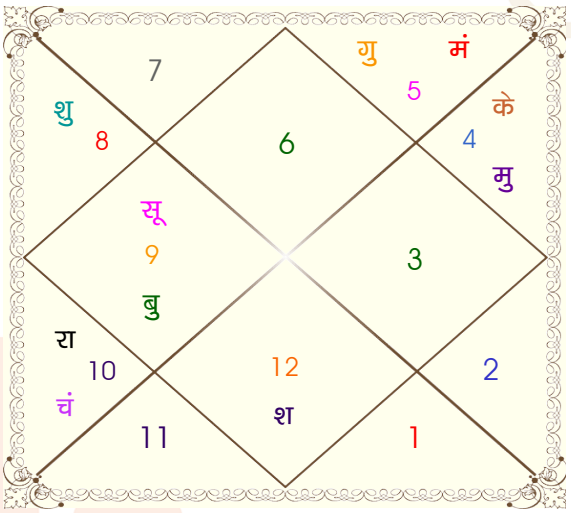

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय महिला वर्ग से आपको वांछित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा साथ ही सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सौभाग्य से ही सम्पन्न होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप सहयोग तथा लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा ज्ञानार्जन के प्रति आप अपनी रूचि का प्रदर्शन करेंगे तथा इसमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। मित्रों तथा संबधियों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको इच्छित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा साथ ही मनोवांछित द्रव्यों की भी इस मास में उपलब्धि हो सकती है। संतति पक्ष से भी आपको यथोचित लाभ तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। सामाजिक जनों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा आपकी असफल आशाएं भी इस मास में पूर्ण होंगी। अतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा पुत्र से वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्र या वस्तुओं की भी प्राप्ति करने में सफल सिद्ध हो सकते हैं।

द्वादश मास

08/02/2027 12:10:39 से 10/03/2027 07:23:41 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	कृतिका	07:12:10
सूर्य		मकर	धनिष्ठा	25:01:28
चन्द्र		कुम्भ	शतभिषा	12:57:02
मंगल	व	सिंह	मघा	10:52:41
बुध		कुम्भ	शतभिषा	11:33:08
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	28:09:52
शुक्र		धनु	मूल	11:08:29
शनि		मीन	रेवती	16:41:01
राहु		मकर	धनिष्ठा	26:17:12
केतु		कर्क	आश्लेषा	26:17:12
मुंथा		कर्क	आश्लेषा	18:06:49

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

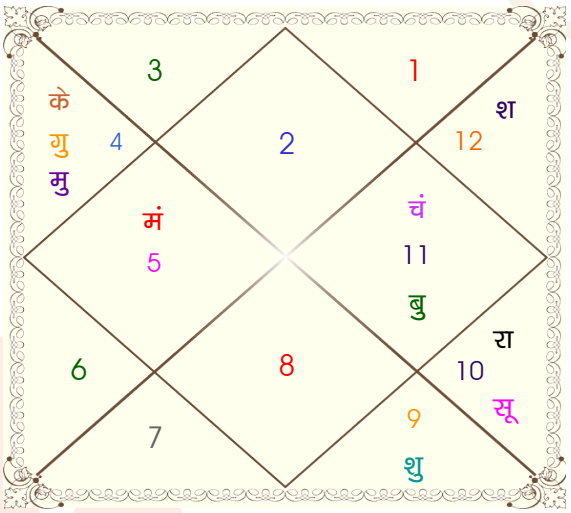

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा सभी सामाजिक तथा अन्य लोग आपकी श्रेष्ठता तथा प्रभुता को स्वीकार करेंगे एवं यथोचित सम्मान तथा सहयोग प्रदान करेंगे।साथ ही आप धन एवं सुखोपभोग की सामग्री अर्जित करने में भी सफल रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा विधि पूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा करते रहेंगे। अन्य लोगों के परोपकार संबधी कार्यो को करने के लिए भी हमेशा तत्पर रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आप वांछित लाभ तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे आपको यथोचित सम्मान तथा सहयोग मिलता रहेगा। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होंगी फलतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे तथा भाग्योदय संबधी कार्य भी इस समय सम्पन्न होंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता का भाव रहेगा तथा अपनी बुद्धिमता से आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन तथा सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आप श्रद्धा का प्रदर्शन करेंगे।